तर्ज--अजी रुठ कर अब

धनी है मेहरबां ना घबराइएगा
सदा राजश्यामा कहे जाइएगा

1--सोई रूहों को जगाया है तुमने
छुपा भेद था जो बताया है तुमने
है फिर भी क्यों पर्दा ये बतलाइएगा
नजर आइएगा,नजर आइएगा

2--लाखों मुसीबत भी आएं तो क्या है
धनी भी तो संग अपने आए यहां है
ईमां से अपने ना गिर जाइएगा
यकीं लाइएगा

3--है साहेब की साहेबी समझनी भी मुश्किल
उन्होने बनाया हमें अपने काबिल
संभल जाइएगा, संभल जाइएगा

Nijanand App